

# साईं जी तोरे अंगना परदेसी आये

देके धगा होगे अपने पराये,  
दुश्मन सी लागे ये सारी फिजाये,  
साईं जी तोरे अंगना परदेसी आये,  
परदेशी आये इक आस लगाये,  
साईं जी तोरे अंगना परदेसी आये,

कोई न देता हम को सहारा कशती को अब तो न मिलता किनारा,  
जीवन में सब कुछ ये हारा ही हारा  
ध्याल हुआ मेरा दिल ये विचारा  
जखम ये अपने किसको दिखाए  
मरहम जो तुम देदो हम मुस्कुराए,  
साईं जी तोरे अंगना परदेसी आये,

भटके हम दर दर ले अशको को अपने  
टूट गए सारे जिन्दगी के सपने  
पल पल लुटता देखा खाबो के अपने  
जैसे रेगिस्तान लगता है तपने  
गम के समन्दर में डूब न जाए  
कोई नहीं ऐसा जो हमको बचाए  
साईं जी तोरे अंगना परदेसी आये,

हमने सुना है तू बिगड़ी बनाता यु ही जमाना तो दर पे न आता,  
रहमो की वरिश तो तू ही कराता

उजड़े को तू ही तो गुलशन बनाता  
दीदार अपना तू क्यों न कराए  
देंगे उम्र भर लाखो दुआए  
साईं जी तोरे अंगना परदेसी आये,

Source: <https://www.bharattemples.com/sai-ji-tore-angana-pardesi-aaye/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>